P.V.G.'s

Muktangan English School & Jr. College,

44, Vidyanagari, Parvati, Pune - 411009.

Formative Written Test - I (2025-26)

Standard - X

Subject : Hindi (Entire) Marks : 20

Date : 13 I 08 I 2025 Time : 8.30 am to 9.30 am

सूचनाएँ १) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।
२) शुद्ध भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग – १ गद्य [5]

कृति १) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

सबसे पहले हम अंजुना बीच पहुँचे । गोवा में छोटे-बड़े करीब ४० बीच हैं लेकिन प्रमुख सात या आठ ही हैं । अंजुना बीच नीले पानीवाला, पथरीला बहुत ही खूबसूरत है । इसके एक ओर लंबी-सी पहाड़ी है, जहाँ से बीच का मनोरम दृश्य देखा जा सकता है । समुद्र तक जाने के लिए थोड़ा नीचे उतरना पड़ता है । नीला पानी काले पत्थरों पर पछाड़ खाता रहता है । पानी ने काट-काटकर इन पत्थरों मे कई छेद कर दिए हैं जिससे ये पत्थर कमजोर भी हो गए हैं । साथ ही समुद्र के काफी पीछे हट जाने से कई पत्थरों के बीच में पानी भर गया है । इससे वहाँ काई ने अपना घर बना लिया है । फिसलने का डर हमेशा लगा रहता है लेकिन संघर्षों में ही जीवन है, इसलिए यहाँ घूमने का भी अपना अलग आनंद है । यहाँ युवाओं का दल तो अपनी मस्ती में डूबा रहता है, लेकिन परिवार के साथ आए पर्यटकों का ध्यान अपने बच्चों को खतरों से सावधान रहने के दिशानिर्देश देने में ही लगा रहता है । मैंने देखा कि समुद्र किनारा होते हुए भी बेनालियम बीच तथा अंजुना बीच का अपना-अपना सौंदर्य है । बेनालियम बीच रेतीला तथा उथला है । यह मछुआरों की पहली पसंद है । यहाँ सुबह-सुबह बड़ी मात्रा में मछलियाँ पकड़ी जाती हैं लेकिन मजे की बात यह है कि इतनी सारी मछलियाँ स्थानीय बाजारों में ही बेची जाती हैं । इनका निर्यात बिलकुल भी नहीं होता है । इसके विपरीत अंजुना बीच गहरा और नीले पानीवाला है । यह बॉलीवुड की पहली पसंद है । यहाँ कई हिट फिल्मों की शूटिंग हुई है । दोनों बीच व्यावसायिक हैं पर मूल अंतर व्यवसाय की प्रकृति का है । इसके बाद हम लोग दिन भर पणजी शहर देखते रहे ।

१) i) संजाल पूर्ण कीजिए.

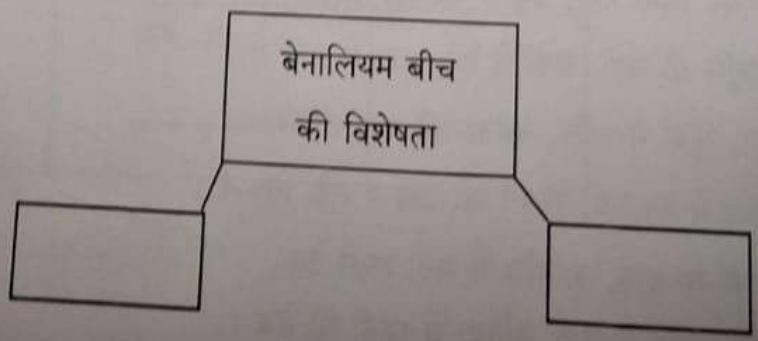

(1)

२) ii) आकृति पूर्ण किजिए ।

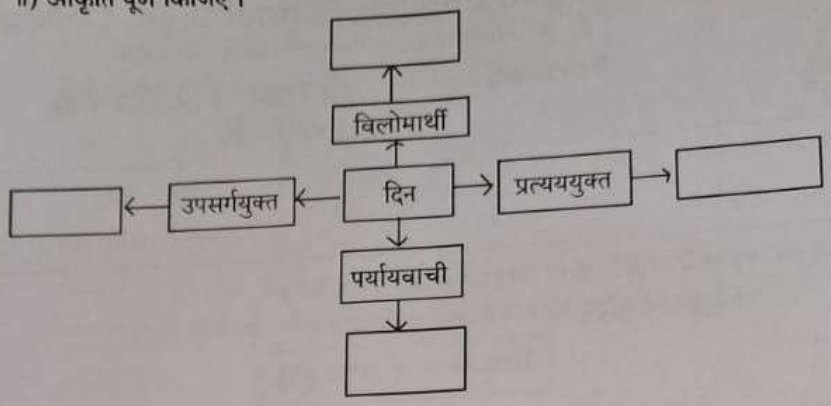

(1)

२) निम्नलिखित शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए ।

१) पहाडी –

२) शहर –

(2)

३) स्वमत अभिव्यक्ति –

'संघर्ष ही जीवन है', इस विषय पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए ।

विभाग – २ पद्य [5]

कृति २) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

विजय केवल लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम
भिक्षु होकर रहते सम्राट, दया दिखलाते घर-घर घूम ।
'यवन' को दिया दया का दान, चीन को मिली धर्म की दृष्टि
मिला था स्वर्ण भूमि को रत्न, शील की सिंहल को भी सृष्टि ।
किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यहीं
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं ।.....
चरित थे पूत, भुजा में शक्ति, नम्रता रही सदा संपन्न
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न ।
हमारे संचय में था दान, अतिथि थे सदा हमारे देव
वचन में सत्य, हृदय में तेज, प्रतिज्ञा में रहती थी ठेव ।

१) कृति पूर्ण कीजिए। (1)

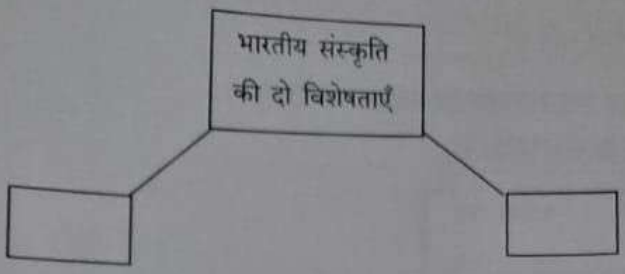

२) निम्नलिखित प्रत्ययुक्त शब्दों के मूल शब्द पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए। (1)

१) दयालु -

२) प्राकृतिक -

३) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए। (1)

१) पूत -

२) विपन्न -

४) स्वमत अभिव्यक्ति – (2)

उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों मे लिखिए।

विभाग – ३ व्याकरण [5]

कृति ३) सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) निम्नलिखित अव्यय शब्द का अपने सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए। (1)

i) के भीतर

२) कृति पूर्ण कीजिए। (1)

शब्द	संधि–विच्छेद	संधि भेद
सदैव	—— + ——	———

३) निम्नलिखित वाक्य में सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए । (1)

i) अवश्य ही लोक खा-पीकर चले गए ।

४) निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए । (1)

i) कुछ समय के लिए विश्राम मिल जाता है ।

कारक चिह्न	कारक भेद
_____	_____

५) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उसका अपने सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए । (1)

i) काँप उठना

विभाग – ४ रचना विभाग [5]

कृति ४) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए । (5)

शुभम / शुभांगी लेले, ४५ गणेश नगर, जलगाँव से व्यवस्थापक, मीरा पुस्तक भांडार, नेताजी मार्ग, जलगाँव को हिंदी पुस्तकों की माँग करते हुए पत्र लिखता / लिखती है ।

(पुस्तकों के नाम ---- गोदान ---- प्रेमचंद, साकेत मैथिलीशरण गुप्त, झाँसी की रानी --- सुभद्राकुमारी चौहान, नक्षत्रमाला ---- काका कालेलकर)

❖❖❖